NGW

समाजशास्त्र (039)

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 2018

अंक योजना - 62

क्रम संख्या	अपेक्षित उत्तर / मूल्य बिन्दु	अंक
1.	जनसंख्या की आयु संरचना का अर्थ क्या होता है?	
1.	जनसंख्या की आयु संरचना से तात्पर्य है कि कुल जनसंख्या के सन्दर्भ में विभिन्न आयु वर्गों में व्यक्तियों का अनुपात।	2
2.	0-14 वर्ष 15-59 वर्ष 60+ आयु समूह अन्य उपयुक्त बिन्दु	
2.	वे कौन से दो महत्वपूर्ण कारण थे जिनसे जनजातीय आन्दोलनों का जन्म हुआ?	1+1=
1.	वे मुद्दे हैं जो भूमि तथा विशेष रूप से वनों जैसे अत्यन्त महत्वपूर्ण आर्थिक संसाधनों पर नियन्त्रण से सम्बन्धित हैं।	
2.	इसी प्रकार के मुद्दों का सम्बन्ध नृजातीय-सांस्कृतिक पहचान के मामलों से हैं।	
3.	जमीनों पर निजी मालिकाना हक (स्वामित्व) दिये जाने से भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा	
4.	इसका एक उदाहरण नर्मदा पर बनाये जा रहे बाँधों की श्रृंखला है	
5.	दिकू जो प्रवासी व्यापारी तथा महाजन थे, और जो उस क्षेत्र में आकर बस गये थे इसलिए आदिवासी उनसे घृणा करते थे। (कोई दो)	
3.	लैसे-ए-फेयर (अहस्तक्षेप) का अर्थ क्या होता है?	2
1.	एडम स्मिथ ने खुले व्यापार का समर्थन किया	
2.	जो किसी प्रकार की राष्ट्रीय या अन्य रोकथाम से मुक्त हो।	
3.	फ्रांसीसी भाषा में लैसे-ए-फेयर का अर्थ है बाजार को अकेला छोड़ दिया जाये या हस्तक्षेप न किया जाये। (कोई एक बिन्दु)	
4.	क्षेत्रवाद को बढ़ावा देने वाले कोई दो कारक बताइये?	1+1=
1.	क्षेत्रवाद भारत की भाषाओं, संस्कृतियों, जनजातियों और धर्मों की विविधता के कारण पाया जाता है।	
2.	इसे विशेष क्षेत्रों में पहचान चिन्हकों के भौगोलिक संकेन्द्रण के कारण भी प्रोत्साहन मिलता है।	
3.	क्षेत्रीय वंचन का भाव अग्नि में घी का काम करता है। (कोई दो) (अन्य उपयुक्त बिन्दु)	

- वे जुर्माना लगा तो सकते है लेकिन कोई सजा नहीं दे सकते है।
- वे ग्रामीण न्यायालय प्रायः कुछ पक्षों के आपसी विवादों में समझौता कराने में सफल होते हैं।
- विशेष रूप से तब प्रभावशाली होते हैं जब किसी पुरुष द्वारा दहेज के लिये स्त्री को प्रताड़ित किया जाये या उसके विरुद्ध हिंसात्मक कार्यवाही की जाये।

(कोई एक बिन्दु)

9- बेनेडिक्ट एंडरसन द्वारा लिखे गये विचार 'कल्पना समुदाय' के बारे में आप क्या जानते हैं?

सुविख्यात विद्वान बेनेडिक्ट एंडरसन ने कहा है कि काल्पनिक समुदाय में — 2

- देश के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को एक जैसे समाचार पढ़ने या सुनने को मिलने लगे।
- देश के विभिन्न भागों में रहने वाले लोग परस्पर जुड़े हुये महसूस करने लगे और उनमें 'हम की भावना' विकसित हो गयी।
- इससे राष्ट्रवाद का विकास हुआ।
- जो लोग एक दूसरे के अस्तित्व के बारे में नहीं जानते थे, वे भी एक परिवार के सदस्य-जैसा महसूस करने लगे।
- इससे अपरिचित लोगों के बीच भी मैत्री भाव उत्पन्न हो गया।

(कोई एक बिन्दु)

10- राष्ट्रीय दैनिक क्या होते हैं? किन्हीं दो के नाम बतलाइये।

- वे समाचार पत्र जो सभी क्षेत्रों में प्रसारित होते हैं।
- हिन्दुस्तान टाइम्स, टाइम्स ऑफ इंडिया, दैनिक जागरण, दैनिक भास्कर

(कोई अन्य उचित उदाहरण)

11. समाचार पत्रों के क्षेत्र में स्व-संचालन से क्या परिवर्तन आये? 2

- नयी तकनीक ने समाचार पत्रों के निर्माण और प्रसारण उत्पादन में बढ़ावा दिया है।
- बड़ी संख्या में चमकदार पत्रिकाएं बाजार में आ गयी।
- उन्नत मुद्रण प्रौद्योगिकी को अपनाया गया और परिशिष्ट, अनुपूरक अंक साहित्यिक पुस्तकें प्रकाशित करने का प्रयत्न किया
- प्रौद्योगिक परिवर्तनों ने समाचारों की गति को बढ़ा दिया है।
- अब वे अधिक संख्या में संस्करण निकालने और पाठकों को नवीनतम समाचार देने में सक्षम हो गये हैं।
- न्यूज रिपोर्टर के बेसिक टूल्स की जगह नये टूल्स आ गये हैं।
- स्व-संचालन ने ई-न्यूज का भी निर्माण किया है।

(कोई एक बिन्दु)

12-	सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार से आप क्या समझते हैं ?	
	-- प्रत्येक वयस्क को मत देने का अधिकार भारतीय संविधान द्वारा दिये गये प्रमुख अधिकारों में से एक है। -- प्रत्येक वयस्क नागरिक (18 वर्ष) को मत देने का अधिकार (कोई एक बिन्दु)	2
13-	बॉम्बे कपड़ा मिल मजदूरों की मांगे क्या थी ?	
	-- बेहतर मजदूरी - यूनियन बनाने का अधिकार -- - कार्य करने की स्थिति को नियमित करना (कोई दो बिन्दु)	1+1=2
14-	सुधारवादी और क्रान्तिकारी आन्दोलन के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिये।	
	सुधारवादी सामाजिक आन्दोलन वर्तमान सामाजिक तथा राजनैतिक विन्यास को धीमे, प्रगतिशील चरणों द्वारा बदलने का प्रयास करता है उदाहरण!- भारत के राज्यों को भाषा के आधार पर पुर्नगठित करने और सूचना के अधिकार का अभियान क्रान्तिकारी आन्दोलन सामाजिक सम्बन्धों मे आमूल परिवर्तन करना तथा राजसत्ता पर अधिकार करना उदाहरण - बोल्शेविक क्रान्ति जिसमे रूस मे जार को अपदस्थ किया भारत मे नक्सली आन्दोलन जो दमनकारी भूस्वामियो तथा राज्य अधिकारियों को हटाना चाहते है। तथा ब्रिटेन मे औद्योगिक क्रान्ति। (अन्य कोई उपयुक्त बिन्दु)	1+1=2
15.	जनांकिकीय विद और समाजशास्त्रीयों के अनुसार भारत मे बाल लिंग अनुपात मे गिरावट आने के क्या कारण हैं ?	
	जनसांख्यिकीविदो और समाजशास्त्री ने भारत मे स्त्री पुरूष अनुपात मे गिरावट आने के कई कारण बताये है। 1- स्वास्थ्य सम्बन्धी मुख्य कारक जो पुरूषो की बजाय केवल स्त्रियो को ही प्रभावित करता है वह है स्त्रियों का गर्भधारण करना - भारत के अनेक क्षेत्रो मे लोग आज भी लड़की के जन्म लेने के पक्ष मे नहीं है। - दहेज प्रथा • शैशवावस्था मे बच्चियो की देखभाल की घोर उपेक्षा • लड़के को प्राथमिकता • लिंग विशेष के गर्भपात • धार्मिक या सांस्कृतिक अन्धविश्वासो के कारण शैशवावस्था मे ही बच्चियो की हत्या	1+1+1+1 = 4

- सोनोग्राम भ्रूण मे लिंग का पता लगाने और चयनात्मक आधार पर बालिका भ्रूण को गर्भ मे ही नष्ट कर देना

(कोई अन्य उपयुक्त बिन्दु) (कोई भी चार)

15 अथवा

भारत मे प्रतिस्थापन के स्तरो के क्षेत्रीय विविधताओ के कारण बताइये 1+1+1+1=4

- भारत के राज्यो के बीच प्रजनन दरो के मामले मे अत्याधिक भिन्नताये पायी जाती है।
- केरल और तमिलनाडु जैसे कुछ राज्य कुल प्रजनन दरो को क्रमश: 2.1 और 1.8 तक नीचे लाने मे सफल हुये है।
- इसका अर्थ यह हुआ कि तमिलनाडु मे औसत स्त्री 2.1 बच्चे ही पैदा करती है जो प्रतिस्थापन स्तर के बराबर है। यानि अपने और अपने जीवन साथी की मृत्यु के कारण खाली होने वाले स्थान को पूर्ति कर देती।
- केरल की कुल प्रजनन दर वास्तव मे प्रतिस्थापन से नीचे है, जिसका अर्थ है कि भविष्य मे जनसंख्या मे गिरावट आयेगी।
- कई अन्य राज्य (जैसे हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, महाराष्ट्र मे कुल प्रजनन दर काफी कम है।
- लेकिन कुछ राज्य जैसे बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश ऐसे है जहाँ आज भी प्रजनन दर 4 या उससे भी ऊपर है।
- इसका कारण शिक्षा एव जागरूकता का अभाव है, छोटे परिवार के आदर्श की स्वीकृति

(कोई चार)

16. जनजातीय लोगो को शेष भारतीय समाज के विकास के लिये अनुपात से अधिक कीमत चुकानी पडी। 'राष्ट्रीय विकास' और 'जनजातीय विकास' मे संघर्ष के स्तोतो पर प्रकाश डालिये। 1+1+1+1=4

- राष्ट्रीय विकास के नाम पर, विशेष रूप से नेहरू युग मे, बडे-बडे बांध बनाये गये, कारखाने स्थापित किये गये और खानो की खुदाई शुरू की गयी। क्योकि जनजातीय इलाके देश के खनिज सम्पन्न और वनाच्छादित भागो मे स्थित थे
- इसतरह के विकास से, जनजातियो की हानि की कीमत पर मुख्यधारा के लोग लाभान्वित हुये।
- खनिजो के दोहन और जल विद्युत सयंत्रो की स्थापना के लिये जनजातीय लोगो से उनकी जमीन छिनने की प्रक्रिया शुरू हो गयी।
- अधिकांश जनजातीय समुदाय वनो पर आश्रित थे, इसलिये वन छिन जाने से उन्हे भारी धक्का लगा।

- जमीनो पर निजी मालिकाना हक दिये जाने से भी जनजातीय लोगो पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।
- इसका ताजा उदाहरण नर्मदा पर बनाये जा रहे बाँधो की श्रृंखला है जहाँ अधिकांश कीमत अर्थात जिन लोगो को इसकी वजह से हानि हुयी है, और लाभ असमान-अनुपात मे विभिन्न समुदायो और क्षेत्रो को मिल रहे है।
- गैर-जनजातीय लोगो के भारी संख्या मे अप्रवास की समस्या से जूझना पड़ रहा है
- इससे जनजातीय समुदायो के छिन्न-भिन्न होते उनकी संस्कृतियो के खत्म हो जाने का खतरा पैदा हो गया है।
- विकास का दबाव आदिवासीयो के शोषण की प्रक्रिया को तेज करता है।
- उदाहरण उत्तर पूर्व और झारखण्ड के औद्योगिक क्षेत्रो मे जनसंख्या मे आदिवासी अनुपात कम हो गया है, जिसके परिणामस्वरूप वे अल्पसंख्यक बन गये।

(कोई अन्य उपयुक्त बिन्दु) कोई भी चार

17. क्या आप सहमत है कि भारत मे उदारीकरण की नीति से सभी वर्गो को लाभ हुआ है? उदाहरण सहित अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिये। 1MMM :4

- उदारीकरण मे कई तरह की नीतियाँ शामिल है जैसे सरकारी विभागो का निजीकरण (सरकारी संस्थानो को निजी कम्पनियो को बेच देना), पूंजी, श्रम और व्यापार मे सरकारी दखल कम करदेना; विदेशी वस्तुओ के आसान आयात के लिये आयात शुल्क मे कमी करना; और विदेशी कंपनियो को भारत मे उद्योग स्थापित करने मे सहूलियत देना।
- उदारीकरण के प्रभाव मिश्रित रहे है

सकारात्मक

- उदारीकरण कार्यक्रम के तहत जो परिवर्तन हुये है उन्होने ने आर्थिक संवृद्धि को बढ़ाया है। भारतीय बाजारो को विदेशी कंपनियो के लिये खोला, अब वहाँ कई विदेशी वस्तुऐं यहाँ बिकती है जो पहले उपलब्ध नही थी।
- यहाँ बिकती है जो पहले उपलब्ध नही थी।
- विदेशी पूंजी के निवेश से आर्थिक विकास होता है और रोजगार बढ़ते है।
- सरकारी कंपनियो के निजीकरण से कुशलता बढ़ती है और सरकार पर दबाव कम होता है।

नकारात्मक

- भारतीय परिवेश पर प्रतिकूल असर हुआ है। हम अपनी ज्यादा चीजो को खोकर कम चीजो को पायेगे।
- भारतीय उद्योग के कुछ क्षेत्रो (जैसे साफ्टवेयर या सूचना तकनीकी) या खेती मे

(जैसे मछली या फल उत्पाद) को वैश्विक बाजार से फायदा हो सकता है लेकिन अन्य क्षेत्रों में (जैसे आटोमोबाइल्स, इलेक्ट्रानिक्स, और तेलीय अनाजो के उद्योग) पर गहरा असर पड़ेगा क्योंकि ये उद्योग विदेशी उत्पादको से प्रतिस्पर्धा नही कर पायेगे।

- भारतीय किसान अन्य देशो के किसानो से प्रतिस्पर्धा कर रहे है क्योंकि अब कृषि सम्बन्धी उत्पादो का आयात सम्भव है।
- पहले भारतीय कृषि सहायता मूल्य और सब्सिडी द्वारा विश्व बाजार से सुरक्षित थी लेकिन अब सब्सिडी और समर्थन मूल्य को खत्म किया या हटा लिया गया है।
- छोटे उत्पादको को विश्व स्तर के उत्पादको के सामानो के साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ रही है और जिसमे वे पूरी तरह सक्षम नही है।
- सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगो के निजीकरण या बन्द होने से कुछ क्षेत्रो में रोजगार को नुकसान हुआ है और संगठित क्षेत्र की कीमत पर असंगठित क्षेत्र के रोजगार में वृद्धि हुयी है।

नोट:- चाहे छात्र सहमत हो अथवा असहमत दो पहलुओ की तुलना करता है या दो कारणो, या उदाहरण देता है मार्क्स (अंक) दिये जायेगे।

18. लोकतान्त्रिक और अधिनायकतंत्रीय (सत्तावादी) राज्य के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिये।

- लोकतन्त्र सरकार का एक रूप है जो जनता से अपनी वैधता प्राप्त करता है और चुनावो के माध्यम से अथवा जनता की राय जानने के किसी और तरीके से जनता के स्पष्ट समर्थन पर आधारित रहता है। 2+2
- एक सत्तावादी राज्य लोकतन्त्र का विपरीत होता है।
- सत्तावादी राज्य में लोगो की आवाज नही सुनी जाती है जबकि लोकतन्त्र मे व्यक्ति के पास अपनी आवाज उठाने का अधिकार है।
- लोकतान्त्रिक राज्य के विपरीत सत्तावादी राज्य किसी के प्रति जवाबदेह नही है।
- सत्तावादी राज्य अक्सर भाषण की स्वतन्त्रता, प्रेस की स्वतन्त्रता, राजनीतिक क्रियाकलाप की स्वतन्त्रता, सत्ता के दुरुपयोग से संरक्षण का अधिकार जैसी नागरिक स्वतन्त्रताओं को अक्सर सीमित या समाप्त कर देते है।
- जबकि लोकतन्त्र मे व्यक्ति को सारे अधिकार प्राप्त है।

(कोई अन्य उपयुक्त बिन्दु)

अथवा

18 सामुदायिक पहचान क्या होती है? भारतीय नीति या राष्ट्रीय पहचान को किस प्रकार बढ़ावा देती है? 2+2

- समुदाय की पहचान, जन्म तथा सम्बन्धित होने के भाव पर आधारित होती है न कि अर्जित योग्यता या उपलब्धि के आधार पर
- यह 'हम क्या हैं' इस बात की द्योतक है न कि हम क्या बन गये है।
- किसी भी परिवार, सम्प्रदाय, देश में उत्पन्न होने पर हमारा कोई वश नहीं है
- इस प्रकार की पहचाने 'प्रदत्त' कही जाती है अर्थात ये जन्म से निर्धारित होती है।
- व्यक्ति की पसन्द या नापसंद इसमे शामिल नही होती है।

(कोई भी एक)

- आत्मसात्मीकरण और एकीकरणवादी रणनीतियां विभिन्न उपायो द्वारा एकल राष्ट्रीय पहचान स्थापित करने की कोशिश करती है जैसे:-
- सम्पूर्ण शक्ति को ऐसे मंचो मे केन्द्रित करना जहाँ प्रभावशाली समूह बहुसंख्यक हो और स्थानीय या अल्पसंख्यको की स्वायत्ता को मिटाना;
- प्रभावशाली समूह की परम्पराओ पर आधारित एक एकीकृत कानून एवं न्याय व्यवस्था की थोपना और अन्य समूहो द्वारा प्रयुक्त वैकल्पिक व्यवस्थाओ को खत्म कर देना
- प्रभावशाली समूह की भाषा को एकमात्र राजकीय 'राष्ट्रभाषा' के रूप मे अपनाना और उसके प्रयोग को सार्वजनिक संस्थाओ मे अनिवार्य बना देना।
- प्रभावशाली समूह की भाषा और संस्कृति को राष्ट्रीय संस्थाओ के जरिये, मीडिया व शैक्षणिक संस्थाओ के द्वारा बढ़ावा देना।
- राज्य प्रतीको को अपनाना
- अल्पसंख्यक समूह और देशज लोगो से जमीन, जंगल एव मत्स्य क्षेत्र छीनकर उन्हे राष्ट्रीय संसाधन घोषित कर देना।

(कोई दो)

19. ऐतिहासिक दृष्टि से लंदन नगर साम्राज्यो की अर्थव्यवस्था मे क्या भूमिका निभाते थे औपनिवेशिक नगर ब्रिटेन मे स्थित आर्थिक केन्द्र और औपनिवेशिक भारत मे 1+1+1+1=4

- औपनिवेशिक नगर ब्रिटेन मे स्थित आर्थिक केन्द्र और औपनिवेशिक भारत मे स्थित हाशिये के बीच महत्वपूर्ण सम्पर्क सूत्र थे।
- इन जगहो से उपभोग की आवश्यक वस्तुओ का निर्यात आसानी से किया जा सकता था
- ये नगर पूंजीवाद के ठोस उदाहरण थे
- उदाहरण के लिये औपनिवेशिक भारत मे बंबई को इस प्रकार सुनियोजित ढंग से विकसित किया गया। जिससे भारत से कपास को भेजा जा सके। कलकत्ता से जूट निर्यात किया गया जबकि मद्रास से ब्रिटेन को कॉफी, चीनी

नील और कपास भेजा

(कोई चार बिंदु)

20 विभिन्न समाज सुधार आन्दोलन समान विषय पर आधारित होते हुए भी भिन्न थे। व्याख्या कीजिये।

- कुछ ने उन सामाजिक मुद्दों के प्रति चिन्ता थी जो उच्च जातियों में मध्यम वर्गीय महिलाओं और पुरुषों से सम्बन्धित थी। 1+1+1+1=4
- कुछ ने ये माना कि सारी समस्याओं का मूल कारण सच्चे हिन्दुत्व के सच्चे विचारों का कमजोर होना था।
- कुछ के लिये धर्म में जाति एवं लैंगिक शोषण अन्तर्निहित था
- मुस्लिम समाज सुधारकों ने बहुविवाह और पर्दा प्रथा पर सक्रिय बहस की।
- ब्रह्म समाज ने सती प्रथा का विरोध किया।
- बंगाल में हिन्दु समाज के रूढ़िवादियों ने धर्म सभा का गठन किया।

(कोई चार)

21- पंचायतों के सामाजिक उत्तरदायित्व क्या होते थे

- श्मशानों और कब्रिस्तानों का रखरखाव 1+1+1+1=4
- जन्म और मृत्यु के आंकड़े रखना
- मातृत्व केंद्रों और बाल ~~कल्याण~~ केन्द्रों की स्थापना
- पशुओं के तालाब पर नियंत्रण रखना
- परिवार नियोजन का प्रचार और कृषिकार्यों का विकास
- इसके अलावा सड़कों के निर्माण, सार्वजनिक भवन के निर्माण भी शामिल है।
- पंचायतें कुटीर उद्योग के विकास में भी सहायता करती है।
- छोटे सिंचाई कार्यों की देख भाल करती है।
- योजनायें जैसे एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम, ~~एकीकृत~~ एकीकृत बाल विकास योजना आदि।

(कोई चार) (अन्य उपयुक्त बिन्दु)

22 हरित क्रांति के लाभ और हानियों की विवेचना कीजिए।

3+3

- हरित क्रांति कृषि आधुनिकीकरण का एक सरकारी कार्यक्रम था।
- यह उच्च उपज किस्म (HYV) या कीटनाशकों के साथ संकर बीज उर्वरक और अन्य जानकारी, किसानों को प्रदान करने पर आधारित था
- अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित किया गया था।
- नई तकनीक वजह से कृषि उत्पादकता में तेजी से वृद्धि हुई।
- हरित क्रांति के अधिकांश क्षेत्रों में यह मुख्य रूप से मध्यम और बड़े किसान थे। जो नई तकनीक से लाभान्वित होने में सक्षम थे।
- जो बाजार के लिए अतिरिक्त उत्पादन करने में सक्षम थे उन्हें कृषि व्यापारिकरण का लाभ मिला
- जिन्हें पता था कैसे और जो लोग नए बीज और उर्वरक में निवेश कर सकते थे, उनके उत्पादन में वृद्धि हुई और अधिक पैसा कमा सके।

(कोई भी तीन)

नुकसान

- अधिकांश क्षेत्रों में छोटे किसान इन आदानों को खरीद के रूप में ज्यादा खर्च करने का जोखिम नहीं उठा सकते थे क्योंकि वो मंहगे थे।
- ग्रामीण समाज में असमानताएँ बढ़ती प्रतीत हो रही थीं।
- कई मामलों में यह पट्टेदारी - खेती के विस्थापन का नेतृत्व किया।
- इससे धनी किसानों ने बेहतर किया और भूमिहीन व सामांत भूमि धारकों की हालत खराब हुई।
- टिलर, ट्रैक्टर, थ्रैशर, और हारवेस्टर जैसी मशीनरी की शुरुआत, सेवा जाति समूहों के विस्थापन के कारण हुई, इसलिए ग्रामीण-शहरी प्रवास की गति में वृद्धि हुई।
- हरित क्रांति में 'विभेद' की एक प्रक्रिया थी, जिसमें अमीर किसान और अमीर हो गए और गरीब किसान ज्यादा गरीब हो गये।

23. क्या वैश्विक (भूमण्डलीय) सम्बन्ध भारत और विश्व के लिए नए हैं? विवेचना कीजिए।

1+1+1+1+1+1=6

- प्रसिद्ध सिल्क मार्ग, सदियों पहले महान सभ्यताओं, जो चीन, फारस, मिस्र और रोम के अस्तित्व में भारत से जुड़ा।
- भारत के लम्बे अतीत के दौरान, विभिन्न हिस्सों के लोग कभी-कभार व्यापारियों के रूप में, कभी विजेता के रूप में, कभी नई भूमि की तलाश में प्रवासियों के रूप में और यहाँ बस गए।
- पूंजी के नए स्रोत, कच्चे माल, ऊर्जा, बाजार और एक वैश्विक नेटवर्क उपनिवेशवाद प्रणाली की निरन्तर आवश्यकता का एक हिस्सा था।
- उदाहरण के लिए:- लोगों की सबसे बड़ी आवाजाही यूरोपीय लोगों के प्रवास जो अमेरिका और आस्ट्रेलिया में नीचे बसे थे।
- गिरमिट मजदूरों को भारत से एशिया, अफ्रीका और अमेरिका के सुदूर भागों में काम करने के लिए जहाजों में दूर ले जाया गया।
- हजारों अफ्रीकियों को दूरस्थ तक तक गाड़ियों में भरकर ले जाया गया।
- कई भारतीय शिक्षा और काम के लिए विदेशों में यात्रा करते रहे हैं।
- कच्चा माल, माल और प्रौद्योगिकी का निर्यात और आयात आजादी के बाद से निरन्तर विकास का हिस्सा रहा है।
- लंबे समय से भारत में विदेशी फर्मों का संचालन हो रहा है।
- दूर दराज के भारतीय गाँव में लोग ऐसे समय को याद करते हैं जब उनके पूर्वज कहीं और रहा करते थे, जहाँ से वे उस स्थान पर आए जहाँ वे इस समय रह रहे हैं।

24- खानो मे काम करने की स्थिति मजदूरो के लिये किस प्रकार हानिकारक है

- कई ठेकेदार मजदूरो का रजिस्टर ठीक से नही रखते, अत: दुर्घटना की अवस्था मे किसी भी लाभ को देने से मुकर जाते है। 1+1+1+1+1+1 = 6
- खान का कार्य समाप्त होने पर कंपनी को उस स्थान पर किये गये गढ्ढो को भरना चाहिये, किन्तु वे ऐसा नही करते।
- भूमिगत खानो मे काम करने वाले कामगार बाढ़, आग, ऊपरी सतह के हिलने के धंसने से खतरनाक स्थितियो का सामना करते है।
- गैसो के उत्सर्जन और आक्सीजन के बन्द होने के कारण बहुत से कामगारो को साँस से सम्बन्धित बीमारी हो जाती है जैसे क्षय रोग, सिलिकोसिस
- खुली खानो मे काम करने वाले तेज धूप और वर्षा मे काम करते है
- खान के फटने या किसी चीज के गिरने से आनेवाली चोट का सामना करते है।
- खान अधिनियम 1952 के अनुसार होने खानो मे सुरक्षा नियमो का पालन नही किया जाता है।

उदाहरण;- नागदा कोयला खान, अन्य कोई उपयुक्त उदाहरण

(कोई भी 6 बिन्दु)

25A हमारे देश मे अक्षम जनसंख्या कौन आता है? 2

- मानसिक रूप से बाधित
- नेत्रहीन
- शारीरिक रूप से बाधित
- मूक बाधित
- (कोई अन्य विकलांगता)

25B क्या आप सोचते है कि अक्षम व्यक्ति अपनी जैविक अक्षमता के कारण विकलांग नही होते, बल्कि समाज ही उन्हे ऐसा मानता है। व्याख्या कीजिये? 4

- बेचारा सम्बोधित करना
- बिगड़ा हुआ शरीर भाग्य के परिणाम के रूप मे देखा जाता है।
- आम धारणा है कि विकलांगता पुराने कर्मो का फल है।
- नियति (भाग्य) को दोषी और नियोज्य व्यक्ति को उसका शिकार माना जाता है।
- पौराणिक कथाओ मे अक्षम व्यक्तियो को नकारात्मक रूप मे देखा जाता है।

Shamolly 16/4/18